लुधियाना भास्कर

ये कोई कबाड़... पेज | 2

मंगलवार. 24 सितंबर, 2013 | लुधियाना

रंगोली में... पेज | 5

क्या चल रहा है मेरे शहर में

आज मौसम

सूर्योदय कल 6.16 am | सूर्यास्त आज 6.21 pm

30.6 △ | 23.6 ▽

कल का मौसम : अगले 24 घंटे में लुधियाना और आसपास के इलाकों में बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश होने की संभावना है।

न्यूज इनबॉक्स

रेत माफिया पर कार्रवाई हो

लुधियाना | प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव विक्रम सिंह बाजवा ने अकाली-भाजपा नेताओं पर अवैध रेत खनन माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यदि माफिया पर कार्रवाई न हुई तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करगी। ▪ पढ़ें पेज 2 पर

मेयर ने दी स्टाफ को थापी

लुधियाना | जंग के दौरान कमांडर जिस अंदाज में अपनी फौज को प्रेरित करता है, वैसा ही नजारा नगर निगम में सोमवार को दिखाई दिया। प्रदेश में लागू होने जा रही प्रॉपर्टी टैक्स की रिकवरी को लेकर निगम मुख्यालय में एक दरबार लगाया गया। ▪ पढ़ें पेज 3 पर

महिलाएं देंगी मुंहतोड़ जवाब

लुधियाना | लगातार महिलाओं और बच्चों के साथ अनहोनी घटनाओं के किस्से बढ़ते ही जा रहे हैं। ऐसे समय में जरूरत है महिलाओं के साथ बच्चों को खुद की रक्षा करने में सक्षम होने की। वे आत्मरक्षा में सक्षम हों तो काफी घटनाओं को रोका जा सकता है। ▪ पढ़ें पेज 3 पर

टैलेंटेड को रोल ऑफ ऑनर

लुधियाना | अब यूथ फेस्टिवल में ड्रामा, गिद्दा, रंगोली सहित सभी प्रतियोगिता में अपनी कला का प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट को निराश नहीं होना पड़ेगा। क्योंकि पीयू ने विजेता रहने वाले स्टूडेंट्स का हौसला बढ़ाने के लिए दो नए अवॉर्ड व दो ट्रॉफी को शुरू किया है। ▪ पढ़ें पेज 5 पर

दिल्ली में छिपा था हत्यारा

लुधियाना | एएसआई गुरदयाल सिंह को गोली मार कर हत्या करने वाला शातिर बदमाश दिल्ली में छिपकर बैठा था। घटना के करीब ढाई साल बाद लुधियाना पुलिस उसे पकड़ने में कामयाब हुई। पुलिस ने उसके पास से 6 जिंदा कारतूस और कारतूस के तीन खोल बरामद किए हैं। ▪ पढ़ें पेज 6 पर

छेड़छाड़ की शिकायत फौरन यहां करें

वुमन हेल्पलाइन नंबर	0161-1091
सड़क हादसा होने पर डायल करें	0161-1073
निलांबरी जगदले, एडीसीपी-1	7837018503
सुखविंदर कौर, प्रभारी, महिला थाना	9815900157

भास्कर हेल्पलाइन

यदि आपके पास कोई खबर है, या फिर आप अपने आसपास कहीं गलत होता देख रहे हैं या किसी सरकारी विभाग में आपकी सुनवाई नहीं हो रही है तो हमें बताएं।

भास्कर बनेगा 'आपकी आवाज'

आप फोन नंबर **0161-3988884** पर सुबह 10 बजे से रात 12 बजे तक फोन कर सकते हैं या फिर **ldh.bhaskar@gmail.com** पर मेल कर सकते हैं।

प्रॉपर्टी टैक्स लागू, निगम के पास न है सॉफ्टवेयर न ही काउंटर

निगम का इंफ्रास्ट्रक्चर अधूरा कैसे होगी प्रॉपर्टी की ई-रिटर्न

▪ रेगुलराइजेशन पॉलिसी में फेल निगम के खाते में 6 माह में प्रॉपर्टी टैक्स का 100 करोड़ कैसे आएगा

यशपाल शर्मा | लुधियाना

अगले कुछ दिनों में ही प्रॉपर्टी टैक्स लागू होने की अधिसूचना जारी हो जाएगी। 30 सितंबर तक प्रॉपर्टी टैक्स की ई-रिटर्न भरने वालों को सरकार ने 10 फीसदी की छूट देने का प्रावधान रखा है, लेकिन एक बड़ी समस्या इसमें लोगों को पेश आने वाली है। वो यह है कि इन 6 दिनों में 50 गज से 100 गज के मकान मालिक ई-रिटर्न के जरिए प्रॉपर्टी टैक्स का भुगतान कैसे करेंगे। क्योंकि नगर निगम ने अभी तक इससे संबंधित सॉफ्टवेयर को डेवलेप ही नहीं किया है। वहीं इनके काउंटर पर रिटर्न लेने की सुविधा नहीं है।

सरकार ने प्रॉपर्टी टैक्स अप्रैल 2013 से लागू किया गया है, लेकिन इसका नोटिफिकेशन अभी तक नहीं हुआ है। 30 सितंबर तक सात दिन बचे हैं, जिसमें 28 और 29 सितंबर को शनिवार,रविवार है। ई-रिटर्न में प्रॉपर्टी मालिक को अपने मकान का कवर्ड एरिया स्कवेयर फुट में बताना है, यह जानकारी अधिकतर लोगों को नहीं है। लोगों में यह भी बड़ा कन्फ्यूजन है कि प्लॉट रेगुलराइजेशन पॉलिसी और प्रॉपर्टी टैक्स दोनों एक ही हैं। इनके लिए अलग फीस ही चुकानी होगी। प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली निगम के लिए आसान नहीं है। वसूली के लिए अब शेष छह महीने में 100 करोड़ का लक्ष्य आसान दिखाई नहीं दे रहा है। अभी तक निगम प्लॉट रेगुलराइजेशन पॉलिसी के तहत लोगों को जोड़ने में फेल रहा है और ऐसे में ई-रिटर्न के जरिए वसूला जाने वाले टैक्स कैसे निगम के खाते में आएगा, ये सबसे बड़ी परेशानी दिखाई दे रही है। लोगों से प्रॉपर्टी टैक्स अब हाउस टैक्स की जगह पर वसूला जाना है। हाउस टैक्स केवल रेंटल प्रॉपर्टी से वसूला जाता था, लेकिन प्रॉपर्टी टैक्स में कमर्शियल के साथ रिहायशी प्रॉपर्टी व खाली प्लॉट से भी टैक्स वसूला जाना है।

टैक्स का स्लैब

- **₹50** रिहायशी प्रॉपर्टी 50 गज तक
- **₹150** 50 से 100 गज तक
- **0.5%** 500 गज तक
- **01%** 500 गज से ज्यादा
- **0.2%** खाली प्लॉट का
- **7.5%** किराए पर दी गई रिहायशी प्रॉपर्टी का
- **03%** अपनी कमर्शियल व औद्योगिक प्रॉपटी का
- **10%** कमर्शियल औद्योगिक प्रॉपर्टी

(सभी सालाना वेल्यू के आधार पर)

अब शहर की इस प्रॉपर्टी पर लगेगा टैक्स

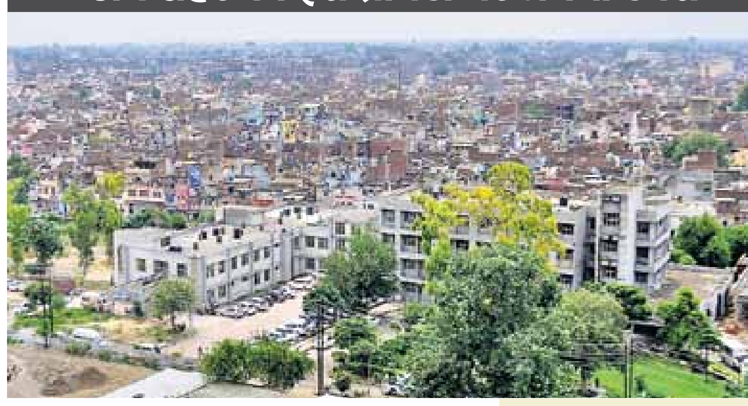

दिल्ली में पहले साल 33% थी ई-रिटर्न

नगर निगम के लिए प्रॉपर्टी टैक्स के जरिए शहर से रिकवरी कर पाना आसान दिखाई नहीं दे रहा है। दिल्ली में वर्ष 2004 से प्रॉपर्टी टैक्स लागू किया गया था। वहां पहले साल मात्र 33 फीसदी लोगों से ही इसकी रिकवरी हो पाई थी। ऐसे में शिमलापुरी, सलेम टाबरी, ढंडारी, गयासपुरा, फौजी कॉलोनी सहित कई स्लम व पिछड़े इलाकों के लोग प्रॉपर्टी टैक्स की रिटर्न कैसे भर पाएंगे, यह भी बड़ा सवाल है।

देरी पर ऐसे लगेगा जुर्माना

अगर आप पर सालाना प्रॉपर्टी टैक्स एक हजार रुपए बनता है और 31 दिसंबर तक इसकी अदायगी नहीं करते तो जनवरी माह में आपको ये अदायगी 25 फीसदी जुर्माना मतलब ₹1000 के साथ 250 रुपए पैनाल्टी भी देनी होगी। वहीं 31 मार्च के बाद एक हजार रुपए ये पैनाल्टी बढ़कर 500 रुपए हो जाएगी और कुल 1500 रुपए के प्रॉपर्टी टैक्स पर 270 रुपए अतिरिक्त 18 फीसदी ब्याज के तौर पर देना होगा।

100 करोड़ का टारगेट मुश्किल

बेशक नगर निगम के लिए छह माह में करीब 100 करोड़ रुपए का लक्ष्य मुश्किल दिखाई दे रहा है, लेकिन अगर नगर निगम पहले तीन महीने बड़े कमर्शियल मॉल व औद्योगिक यूनिट्स में अपना स्टाफ भेजकर उन्हें प्रॉपर्टी टैक्स की ई रिटर्न के लिए जागरूक करें तो इस दौरान 30 करोड़ तक की रिकवरी आसानी से की जा सकती है।

30 सितंबर तक रिटर्न भरने वाले को दस फीसदी की छूट मिलेगी, ये गलत है। मियाद को बढ़ाया जाना चाहिए। रिटर्न भरने के लिए लोगों के पास क्या दस्तावेज और कौन सी जानकारी चाहिए, ये भी बताया जाना चाहिए। —संदीप, उद्यमी

प्रॉपर्टी टैक्स ई रिटर्न फाइल करने वालों को छूट की मियाद बढ़ाने के लिए स्थानीय निकाय विभाग के सचिव से बात की गई है। उम्मीद है कि इसमें इजाफा होगा। लोगों को प्रॉपर्टी टैक्स संबंधी जागरूक किया जा सके, इसके लिए निगम जमकर एडवरटाइजिंग करने जा रहा है। –राहुल तिवारी, निगम कमिश्नर

ऐसे समझें टैक्स का फॉर्मूला

प्रॉपर्टी नंबर -1

अगर आप हैबोवाल दुर्गापुरी इलाके में 200 गज के मकान में रहते हैं और आपके इलाके की जमीन का कलेक्टर रेट चार हजार रुपए प्रति गज है, तो इस लिहाज से आपकी जमीन की कलेक्टर वेल्यू छह लाख रुपए बन गई। इसके बाद अगर आपके मकान का कवर एरिया 1600 स्कवेयर फुट है तो 500 रुपए स्कवेयर फुट कंस्ट्रक्शन कॉस्ट की लागत से ये राशि 8 लाख रुपए है। कलेक्टर रेट और कंस्ट्रक्शन कॉस्ट को मिलाकर ये राशि 14 लाख रुपए बन गई। इसके बाद 14 लाख रुपए का 5 फीसदी 70 हजार रुपए और इस पर .5 फीसदी प्रॉपर्टी टैक्स 350 रुपए बनेगा और आप इसकी रिटर्न फाइल करेंगे।

प्रॉपर्टी नंबर -2

वहीं अगर आप सराभा नगर में 200 गज में रहते हैं और यहां की कलेक्टर वेल्यू 20 हजार रुपए गज है, तो यहां कलेक्टर वेल्यू 40 लाख रुपए बन गई और यहां भी कंस्ट्रक्शन वेल्यू 500 रुपए के लिहाज से 8 लाख रुपए ही रहेगी। ये कुल राशि 48 लाख रुपए बनती है और इसका पांच फीसदी 2 लाख 40 हजार रुपए बनता है। इसका 0.5 फीसदी प्रॉपर्टी टैक्स 1200 रुपए सालाना बनेगा।

लॉर्ड लूंबा विधवाओं की मदद को तैयार, सरकार भूल गई वादा

1 करोड़ तो क्या 50 लाख नहीं दे पाए बादल

राजेश शर्मा | लुधियाना

पांच हजार पंजाबी विधवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिश कर रहे हाउस ऑफ लार्ड के सदस्य लार्ड राज लूंबा का सपना पूरा होता नहीं दिख रहा। वजह है हजारों करोड़ के विकास का दावा करने वाली प्रदेश सरकार का अपने हिस्से के पचास लाख रुपए जमा न करवाना। जबकि लार्ड लूंबा की लूंबा फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री के साथ एमएयू साइन करते ही अपने हिस्से के 50 लाख रुपए जमा करवा दिए थे। विधवाओं को सिलाई-कढ़ाई की ट्रेनिंग देने के लिए सेंटर तक चयनित होने के बावजूद सरकारी हिस्सेदारी न जमा होने से योजना आगे नहीं बढ़ पा रही। अधर में लटके इस प्रोजेक्ट के तहत जिले में 24 सिलाई सेंटर खोलने की योजना बनाई गई है। मकसद है विधवाओं को सिलाई-कढ़ाई की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाना।

पंजाब सरकार व लूंबा फाउंडेशन के बीच हुए करार के तहत दो करोड़ रुपए की लागत वाले इस प्रोजेक्ट के तहत जिले के विभिन्न हिस्सों में सिलाई ट्रेनिंग सेंटर खोलने के लिए दोनों पार्टियों को एक-एक करोड़ रुपए की हिस्सेदारी डालनी है। पचास साल से कम उम्र की विधवाओं को इन सेंटर्स में दो महीने की सिलाई-कढ़ाई की ट्रेनिंग दी जाएगी। तय योजनानुसार ट्रेनिंग खत्म होते ही सिलाई मशीन ट्रेनी को गिफ्ट कर दी जाएगी ताकि इससे वह अपनी रोजीरोटी चलाकर आत्मनिर्भर बन सके। सिलाई-कढ़ाई कार्य लगातार लाभपात्री को मिलता रहे योजना के तहत इसे भी सुनिश्चित बनाया जाएगा।

मां का संघर्ष बना प्रेरणा

लॉर्ड राज लूंबा। (फाइल फोटो)

हाउस ऑफ लार्ड के मेंबर पंजाबी एनआरआई लार्ड राज लूंबा ने विधवा मां के संघर्षपूर्ण जीवन को देखकर विधवाओं का जीवन संवारने के लिए इस प्रोजेक्ट की बुनियाद रखी थी। इसके लिए देश भर की 10 हजार विधवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रोजेक्ट तैयार किया गया। लूंबा फाउंडेशन के तहत चलने वाले इस प्रोजेक्ट में पंजाब से ही पांच हजार विधवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लुधियाना जिले में 24 सेंटर बनाने की योजना है जिसके लिए तत्कालीन डीसी राहुल ने एडीसी विकास केपी बराड़ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया था। तीन सितंबर को घोषणा के बाद डीसी राहुल तिवारी और 22 सितंबर को एडीसी केपी बराड़ का भी तबादला हो गया।

इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की कॉलोनियों के टेकओवर को मंजूरी

प्रमुख संवाददाता | लुधियाना

स्थानीय निकाय विभाग ने बीते माह नगर निगम हाउस की ओर से इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की कॉलोनियों को टेकओवर करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस प्रस्ताव के अलावा सरकार के पास इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के कुछ स्टाफ को भी नगर निगम में ट्रांसफर करने का प्रस्ताव भी अलग से भेजा गया था। इस प्रस्ताव पर फिलहाल मंजूरी भी अधर में बताई जा रही है। इस प्रस्ताव को मंजूरी के बाद नगर निगम जल्द अब राजगुरु नगर, ऋषि नगर व शहीद भगत सिंह नगर स्कीम को टेकओवर कर यहां पर डेवलेपमेंट शुरू करवाएगा। लेकिन इस टेकओवर के बाद सबसे बड़ा सवाल ये पैदा होता है कि कंगाल निगम इन नई कॉलोनियों का विकास कैसे कर पाएगा।

सेक्टर-32 में अवैध खनन का मामला

माइनिंग अधिकारी तुरंत करें सख्त कार्रवाई : डीसी अग्रवाल

भास्कर न्यूज | लुधियाना

दैनिक भास्कर में प्रकाशित खबर को संज्ञान लेते हुए जिलाधीश रजत अग्रवाल ने सोमवार को माइनिंग विभाग के अधिकारियों के साथ एक विशेष मीटिंग की। इस दौरान उन्होंने रेत खनन में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधीश ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेक्टर- 32 में चल रहे खनन की रिपोर्ट उन्हें जल्द से जल्द दी जाए और इसके लिए विशेष टीम गठित कर मामले की जांच शुरू की जाए। साथ ही इस संबंध में इमारत बनाने वाले लोगों से मंजूरी के दस्तावेज भी जांच के लिए मंगवाए जाएं। अधिकारियों ने जिलाधीश को बताया कि इस संबंध में उन्होंने पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी है और जांच के बाद अधिकारी मंजीत सिंह की तरफ से उन्हें नोटिस भेजा गया था। अगर इसमें किसी भी तरह की अनियमितता पाई जाएगी तो उसके अनुसार ही कार्रवाई होगी। जांच के दौरान संबंधित एसएचओ को इलाके में गश्त के निर्देश दिए गए हैं। दस्तावेजों की जांच के बाद ही अगली कार्रवाई की जाएगी।

दरिया के रास्ते का गेट बंद तो समझो खनन शुरू

शहर के बीचों-बीच रेत का खनन जारी, माइनिंग डिपार्टमेंट नींद में

20 और 23 सितंबर को प्रकाशित खबर

गलाडा की पॉलिसी फ्लॉप, 32 दिन में 40 आवेदन

रेगुलराइजेशन पॉलिसी के तहत 13 दिन बचे हैं, 1729 अवैध कॉलोनियों की फाइल जमा नहीं हुई

महाबीर सेठ | लुधियाना

ग्रेटर लुधियाना एरिया डेवलेपमेंट अथॉरिटी (गलाडा) की अवैध कालोनियों को रेगुलराइजेशन कराने वाली पॉलिसी कॉलोनाइजरों को पसंद नहीं आ रही है। 32 दिन में महज 40 कालोनाइजरों ने आवेदन जमा किया है, जबकि 1769 अवैध कालोनियों गलाडा की लिस्ट में शामिल हैं। सरकार ने रेगुलराइजेशन के लिए 7 अक्टूबर अंतिम तारीख तय की है।

बढ़िया पॉलिसी बनाने को लेकर डिप्टी सीएम को सम्मानित करने वाले शहर के कॉलोनाइजर अपनी कालोनियों को रेगुलराइज कराने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। जिससे गलाडा के अधिकारी परेशान हैं। पॉलिसी के तहत अब 13 दिन बचे हैं, जिसमें 1729 अवैध कालोनियों की फाइल जमा करवानी है।

गलाडा के ₹1000 करोड़ पर फिरा पानी

ग्रेटर लुधियाना एरिया डेवलेपमेंट अथॉरिटी के अधिकारियों ने 1769 अवैध कालोनियों को रेगुलराइज कर करीब 1000 करोड़ रुपए इकट्ठा करने का टारगेट रखा है। लेकिन 32 दिनों में महज 11 करोड़ रुपए ही गलाडा के खजाने में जमा हो सका है। इसमें कॉलोनाइजर कम हैं, प्लॉट होल्डर ज्यादा। गलाडा के अधिकारी कॉलोनाइजर्स को बुलाकर आवेदन करने की गुजारिश कर रहे हैं।

4000 प्लॉट होल्डर आए आगे

एक तरफ जहां कॉलोनाइजर आवेदन के लिए आगे नहीं आ रहे हैं, वहीं शहर के 4000 से ज्यादा प्लॉट होल्डर अपने प्लॉट्स को नियमित करवाने को लेकर आगे आए हैं। प्लॉट होल्डर गलाडा दफ्तर में लाइन लगा कर आवेदन कर रहे हैं।

11 अस्थायी काउंटर विभिन्न इलाकों में खोले गए हैं

गलाडा के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि 7 अक्टूबर तक बाकी बचे 1729 अवैध कॉलोनियों की फाइल जमा होनी चाहिए। इसके लिए गलाडा के एसीए गुरप्रीत सिंह गुलाटी ने 13 काउंटर खोलने के आदेश दिए हैं। इसमें 2 काउंटर गलाडा दफ्तर में है। जबकि 11 अस्थायी काउंटर अलग-अलग क्षेत्रों में लगाए गए हैं।

फर्द मिलने में आ रही है दिक्कत

कचहरी में जमीनों की फर्द मिलने में मुश्किल आ रही है। जिसे लेकर कॉलोनाईजर परेशान हो रहे हैं। इस बारे में डीसी व एडीसी से बात की गई है। इसके लिए प्रशासकीय कांप्लेक्स में अलग से काउंटर खोलने की बात चल रही है। फर्द मिलने के बाद सभी कॉलोनाईजर आवेदन जमा करेंगे।

–कुलतार सिंह जोगी, प्रधान, पंजाब प्रापर्टी डीलर एंड कॉलोनाईजर एसोसिएशन।

सबको भा रहा सुकून देने वाला कलर व्हाइट

हर रंग कुछ कहता है कॉलेज गोइंग स्टूडेंट्स लाइक कर रही हैं ड्रेस, हैंड बैग से लेकर मोबाइल फोन तक हर असेसरीज में ओनली व्हाइट कलर

भास्कर न्यूज | लुधियाना

बदलते फैशन के साथ ड्रेस के साथ असेसरीज का कलर-ट्रेंड भी बदल रहा है। खासकर कॉलेज गोइंग स्टूडेंट्स सफेद रंग को अपनी डेली रूटीन में लाइक कर रही हैं। फैशन डिजाइनर भी व्हाइट कलर के तमाम शेड्स पर फोकस कर रहे हैं। ड्रेस से लेकर मोबाइल फोन तक सब कुछ सफेद नजर आने लगा है। स्कूल-कॉलेज कैंपस में तो खासकर व्हाइट इज राइट च्वाइस ही दिख रहा है। क्लॉथ ही नहीं, असेसरीज में पर्स, क्लचर, वॉच, शूज, बेल्ट सब सफेद दिखने लगे हैं। यहां तक कि मोबाइल फोन भी ज्यादातर लड़कियां तो सफेद रंग के ही पसंद कर रही हैं। व्हाइट कलर की पॉपुलेरिटी का अंदाजा इससे ही लगा सकते है कि अब युवा सफेद रंग की स्कूटी और बाइक भी खरीद रहे हैं। कुछ तो हेलमेट भी सफेद ही इस्तेमाल कर रहे हैं।

स्प्रिंग 2013 में इंटरनेशनल फैशन इंडस्ट्री में व्हाइट कलर ट्रेंड में आया जो अब भी जारी है।

क्योंकि यह है अट्रैक्टिव

गवर्नमेंट कॉलेज फॉर गर्ल्स की स्टूडेंट नैन्सी का कहना है कि मुझे व्हाइट कलर बेहद पसंद है। पहने हुए काफी कूल लगता है, इसके साथ ही सबको अट्रेक्ट भी करता है। खालसा कॉलेज फॉर विमन की अंजली का कहना है कि पहले सफेद रंग को पहनने के लिए मना करते थे, लेकिन अब मार्केट में जहां जाओ, व्हाइट की अच्छी रेंज देखने को मिलती है। क्लच भी लोग कलर्ड लेना पसंद करते थे, लेकिन अब ट्रेंड काफी बदल रहा है। जो काफी अच्छा है। खालसा कॉलेज की ही रिधिमा के अनुसार व्हाइट कलर की ग्रेस ही कुछ अलग है। ये एक रॉयल सी लुक देता है।

व्हाइट कलर का साइकोलॉजिकल इंपैक्ट

सफेद पोशाक व एसेसरीज यूज करने वालों की दलील है कि यह कलर साइकोलॉजिकल इंपैक्ट देता है। कृष्णा नगर की विन्नी गोयल कहती है कि कॉलेज ज्यादातर सफेद ड्रेस पहनकर जाती हूं। इससे गर्मी-पॉल्यूशन वाले माहौल में भी राहत महसूस होती है। आत्मनगर की स्कूल स्टूडेंट पलक ने कहा कि कपड़े व शूज व्हाइट हों तो हर कोई अट्रैक्ट होता है।

संघ के सह सरकार्यवाह संग मंच साझा करेंगे सुखबीर

लुधियाना | किचूल नगर में 29 सितंबर को एक खास सोशल-पॉलिटिकल फ्यूजन देखने को मिलेगा। जहां स्वामी विवेकानंद को समर्पित युवा सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह दतात्रेय होसबले मुख्य वक्ता के तौर पर मंचासीन होंगे। वहीं, बतौर विशिष्ट अतिथि डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल उनके साथ मंच साझा करेंगे। काबिलेजिक्र है कि 16 नवंबर, 1997 को भी ऐसा ही एक मौका आया था। तब गुरु नानक देव भवन में सरसंघ चालक रज्जू भैया यानी प्रो. राजिंदर सिंह आए थे। उस वक्त संघ के मंच पर अकाली सियासत के रहनुमा परकाश सिंह बादल बतौर सीएम नजर आए थे। जत्थेदार गुरचरण सिंह टोहरा ने भी एसजीपीसी प्रधान की हैसियत से यह मंच साझा कर आरएसएस की जमकर तारीफ की थी। ऐसे में अब संघ-परिवार की निगाह इस बात पर भी रहेगी कि क्या सुखबीर भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाएंगे? वहीं, इस समारोह को लेकर सभी सियासी दल, खासकर कांग्रेस यह पड़ताल जरूर करना चाहेगी कि लोकसभा चुनाव से पहले अकालियों का यह सार्वजनिक संघ-प्रेम आखिर पंजाब में कितना और कैसा राजनीतिक प्रभाव डालेगा।

लक्ष्य दस हजार युवा

स्वामी विवेकानंद की 150वीं जन्मशती के आयोजनों के लिए बनी समिति यह युवा सम्मेलन कराएगी। इसके सरपरस्त खुद सीएम बादल हैं। समारोह बीवीएम स्कूल के मैदान में होगा। इसमें 10 हजार युवाओं को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।